http://www.epitomejournals.com, Vol. 2, Issue 11, November 2016, ISSN: 2395-6968

Epitome Journals
International Journal of Multidisciplinary Research
ISSN : 2395-6968 | Impact Factor = 3.656

"कृष्ण बलदेव वैद के उपन्यासों में स्त्री विर्मश : नर - नारी "

उल्हास श्रीराम पाटील

संत ज्ञानेश्वर महाविद्यालय सोयगांव,

ता. सोयगांव जि. औरंगाबाद.

ulhaspatil४९@gmail.com

&

प्रा. डॉ. बी.एफ.शेख (Research Guide)

कला, वाणिज्य एवं विज्ञान

महाविद्यालय धरणगांव

Abstract

समाज निर्माण में पुरुषों के साथ ही स्त्रीयों का योगदान महत्वपूर्ण है | हिन्दी कथा साहित्य में स्त्री - चेतना का स्वर प्रेमचंदोत्तर रचनाओं में सुनाई नहीं पडता ऐसा नहीं है | यह स्वर प्राय: लेखिकाएँ बुंलद करती रही है | इनमें कृष्णा सोबती, महादेवी वर्मा, और मन्नु भंडारी आदि का नाम लिया जा सकता है | स्त्री सशक्तीकरण का स्वर बुंलद करने में सभी लेखिकाओं जैसे कात्यायनी, अनामिका, चित्रा मुदृगल, मैत्रेयी पुष्पा आदि महत्वपूर्ण है |

Keywords : समाज, स्त्री, शक्ती, हिन्दी , साहित्य

Dr. Pramod Ambadasrao Pawar, Editor-in-Chief ©EIJMR, All rights reserved.